# Class 10 Hindi Sanchayan Chapter 2: सपनों के-से दिन (Sapno Ke Se Din) – Notes, प्रश्न-उत्तर और MCQs (2026-27)

ये Sapnon Ke Se Din Class 10 notes (सपनों के से दिन) CBSE कक्षा 10 हिंदी संचयन भाग 2 के दूसरे पाठ को पूरी तरह कवर करते हैं: गुरदयाल सिंह का परिचय, बचपन और स्कूल की यादें, पी.टी. मास्टर और हेडमास्टर का चरित्र, NCERT प्रश्न-उत्तर, 10 MCQs और मुफ़्त PDF।

**नीचे दी गई विषय-सूची से सीधे अपने ज़रूरी भाग पर जाएँ, या पूरे पाठ की तैयारी के लिए शुरू से अंत तक पढ़ें।**

## विषय-सूची (Table of Contents)


- पाठ परिचय (Chapter Overview)
- मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)
- पी.टी. मास्टर और हेडमास्टर की तुलना
- बचपन की यादें: एक नज़र में
- पाठ के प्रमुख प्रसंग
- शब्दार्थ (Word Meanings)
- लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)
- त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)
- सारांश (Summary)
- परीक्षा टिप्स (Exam Tips)
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)
- निष्कर्ष (Conclusion)


सभी पाठों के नोट्स चाहिए? Nextoper पर पूरे Class 10 Hindi notes देखें – क्षितिज, कृतिका, स्पर्श और संचयन, पाठ-वार।

## पाठ परिचय (Chapter Overview)

गुरदयाल सिंह (1933–2016) का जन्म पंजाब के जैतो में हुआ। वे पंजाबी के प्रसिद्ध कथाकार थे और उनकी रचनाओं में ग्रामीण और निम्नवर्गीय जीवन का यथार्थ है। प्रमुख रचनाएँ: उपन्यास मढ़ी दा दीवा, अणहोए, अंधे घोड़े दा दान, परसा; कहानी-संग्रह सग्गी फुल्ल, कुत्ता ते आदमी। उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार (1999) और साहित्य अकादमी पुरस्कार मिले।

'सपनों के से दिन' लेखक के बचपन के संस्मरण हैं। इसमें बचपन के खेल, स्कूल न जाने की इच्छा, छुट्टियों का आनंद, गृहकार्य का डर, कठोर पी.टी. मास्टर प्रीतमचंद, स्नेही हेडमास्टर शर्मा जी और स्काउटिंग जैसी यादें हैं। पाठ उस समय की शिक्षा-व्यवस्था और बच्चों की मनःस्थिति को भी दिखाता है।

## मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)

### बचपन के साथी और खेल

- लेखक के बचपन के साथी अलग-अलग परिवारों से थे; उनकी भाषा भी अलग थी, फिर भी खेल में सब एक हो जाते थे।
- सब नंगे पाँव, फटी-मैली कच्छी और टूटे बटनों वाले कुर्ते में खेलते थे।
- खेलते हुए चोट लगने पर घर वाले उल्टा पिटाई करते, पर अगले दिन बच्चे फिर खेलने निकल पड़ते।

### स्कूल के प्रति अरुचि

- उस समय बहुत से माता-पिता बच्चों को स्कूल भेजने में रुचि नहीं रखते थे; पढ़ाई को ज़रूरी नहीं माना जाता था।
- लेखक और उसके कई साथियों को स्कूल जाना कैद जैसा लगता था।
- स्कूल में डर लगता था, पर कुछ बातें – जैसे स्काउटिंग, परेड, रंगीन झंडियाँ – अच्छी भी लगती थीं।

### गर्मी की छुट्टियाँ और गृहकार्य

- गर्मी की छुट्टियों में लेखक ननिहाल जाते, जहाँ खूब मौज-मस्ती होती।
- छुट्टियों के लिए मिला गृहकार्य बहुत होता; बच्चे हिसाब लगाते कि रोज़ थोड़ा-थोड़ा करेंगे, पर दिन खेलने में निकल जाते।
- अंत में सज़ा के डर से कई बच्चे सोचते कि मास्टरजी की मार खा लेना ही सस्ता सौदा है।

### पी.टी. मास्टर प्रीतमचंद

- पी.टी. मास्टर प्रीतमचंद बहुत कठोर और अनुशासनप्रिय थे; बच्चे उनसे डरते थे।
- परेड में ज़रा-सी गलती पर वे कड़ी सज़ा देते; एक बार फ़ारसी की कक्षा में शब्द-रूप याद न होने पर उन्होंने बच्चों को मुर्गा बनवाया।
- हेडमास्टर शर्मा जी ने यह देखकर उन्हें निलंबित कर दिया।
- निलंबन के बाद भी वे घर पर पिंजरे में रखे दो तोतों को भीगे बादाम खिलाते और उनसे मीठी बातें करते – यह उनका कोमल पक्ष था।

### हेडमास्टर शर्मा जी और पुरानी किताबें

- हेडमास्टर मदनमोहन शर्मा जी स्नेही और सौम्य स्वभाव के थे; वे बच्चों को मारने के पक्ष में नहीं थे।
- वे लेखक को एक धनी परिवार के लड़के से पुरानी किताबें दिलवाते थे, जिससे लेखक की पढ़ाई चलती रही।
- नई कक्षा में जाने पर नई कॉपियों की गंध से लेखक उदास हो जाता था, क्योंकि उसे पुरानी किताबों से पढ़ना पड़ता था।
- स्काउटिंग की वर्दी पहनकर परेड करते हुए लेखक स्वयं को फ़ौजी जैसा महसूस करता था।

## पी.टी. मास्टर और हेडमास्टर की तुलना

चरित्र-चित्रण प्रश्नों के लिए।

| पी.टी. मास्टर प्रीतमचंद | हेडमास्टर शर्मा जी |
|---|---|
| कठोर, अनुशासनप्रिय | स्नेही, सौम्य |
| कड़ी सज़ा देते (मुर्गा बनाना) | शारीरिक दंड के विरोधी |
| बच्चे डरते थे | बच्चे सम्मान करते थे |
| कोमल पक्ष: तोतों से प्रेम | लेखक को पुरानी किताबें दिलवाते |

## बचपन की यादें: एक नज़र में

त्वरित दोहराने के लिए।

- अलग-अलग परिवारों के साथी, पर खेल में एकता।
- स्कूल जाना कैद जैसा।
- ननिहाल में गर्मी की छुट्टियाँ।
- गृहकार्य टालना और सज़ा का डर।
- स्काउटिंग और परेड का आनंद।
- पुरानी किताबों से पढ़ाई।

## पाठ के प्रमुख प्रसंग

| प्रसंग | विवरण |
|---|---|

| | |
|---|---|
| खेल | नंगे पाँव, फटे कपड़े; चोट पर घर में पिटाई |
| स्कूल | डर और अरुचि; स्काउटिंग अच्छी लगती |
| छुट्टियाँ | ननिहाल, मौज-मस्ती; गृहकार्य का बोझ |
| पी.टी. मास्टर | कठोर दंड; निलंबन; तोतों से प्रेम |
| हेडमास्टर | स्नेही; पुरानी किताबें दिलवाना |

## शब्दार्थ (Word Meanings)

| शब्द | अर्थ |
|---|---|
| हमजोली | साथी |
| कच्छी | निकर |
| ननिहाल | नानी का घर |
| आँकना | अनुमान लगाना |
| सस्ता सौदा | कम कीमत का काम |
| खुंदक | चिढ़ |
| मुर्गा बनना | एक प्रकार की सज़ा |
| अलौकिक | दिव्य |
| निलंबित | काम से हटाया गया |
| चुस्त | फुर्तीला |
| फ़ौजी | सैनिक |
| वर्दी | यूनिफ़ॉर्म |
| बहिश्त | स्वर्ग |
| रूमाल | दस्ती |
| सौम्य | शांत स्वभाव |
| धौंस | डराना |

## लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

**प्रश्न 1. कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती – पाठ के किस अंश से यह सिद्ध होता है?**

उत्तर: लेखक के बचपन के साथी अलग-अलग भाषाएँ बोलने वाले परिवारों से थे, फिर भी खेलते समय वे एक-दूसरे की बातें समझ लेते थे और साथ खेलते थे। इससे सिद्ध होता है कि भाषा व्यवहार में बाधा नहीं बनती।

**प्रश्न 2. पीटी सर की शारीरिक बनावट और स्वभाव का वर्णन कीजिए।**

उत्तर: पी.टी. मास्टर प्रीतमचंद का कद ठिगना, शरीर दुबला-पतला पर गठीला, चेहरा माता के दागों वाला और आँखें बाज़ जैसी तेज़ थीं। वे कठोर और अनुशासनप्रिय थे; बच्चे उनसे बहुत डरते थे।

**प्रश्न 3. विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए पाठ में अपनाई गई युक्तियों और वर्तमान में स्वीकृत मान्यताओं के संबंध में अपने विचार प्रकट कीजिए।**

उत्तर: पाठ में डराने-धमकाने और शारीरिक दंड से अनुशासन रखा जाता था। आज शारीरिक दंड वर्जित है; अब प्रेम, संवाद, परामर्श और प्रेरणा से अनुशासन बनाने को सही माना जाता है।

**प्रश्न 4. बचपन की यादें मन को गुदगुदाने वाली होती हैं – विशेषकर स्कूली दिनों की। अपने अब तक के स्कूली जीवन की खट्टी-मीठी यादों को लिखिए।**

उत्तर: (विद्यार्थी अपने अनुभव लिखें) जैसे – पहला दिन स्कूल में रोना, दोस्तों के साथ टिफ़िन बाँटना, खेल दिवस में जीतना, परीक्षा का डर और परिणाम की खुशी।

**प्रश्न 5. प्रायः अभिभावक बच्चों को खेलकूद में ज़्यादा रुचि लेने पर रोकते हैं और समय बर्बाद न करने की नसीहत देते हैं। बताइए – खेल आपके लिए क्यों ज़रूरी हैं?**

उत्तर: खेल शरीर को स्वस्थ और मन को प्रसन्न रखते हैं, टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व सिखाते हैं तथा पढ़ाई का तनाव कम करते हैं।

**प्रश्न 6. हेडमास्टर शर्मा जी ने पी.टी. मास्टर को निलंबित क्यों किया?**

उत्तर: पी.टी. मास्टर ने फ़ारसी की कक्षा में बच्चों को शब्द-रूप याद न होने पर मुर्गा बनाकर कठोर सज़ा दी थी। हेडमास्टर शारीरिक दंड के विरोधी थे, इसलिए उन्होंने उन्हें निलंबित कर दिया।

**प्रश्न 7. निलंबन के बाद पी.टी. मास्टर का कौन-सा रूप सामने आया?**

उत्तर: निलंबन के बाद भी वे शांत रहे और घर पर पिंजरे में रखे दो तोतों को भीगे बादाम खिलाते और उनसे प्यार भरी बातें करते थे – यह उनका कोमल रूप था।

**प्रश्न 8. लेखक को नई कक्षा में जाने पर उदासी क्यों होती थी?**

उत्तर: लेखक को नई किताबों के बजाय पुरानी किताबों से पढ़ना पड़ता था और साथ ही नई कक्षा की कठिन पढ़ाई और मास्टरों की मार का डर रहता था, इसलिए वह उदास हो जाता था।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

**प्रश्न 1. 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर उस समय की शिक्षा-व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।**

- माता-पिता पढ़ाई को अधिक महत्व नहीं देते थे।
- बच्चों के लिए स्कूल डर और कैद जैसा था।
- अनुशासन के लिए कठोर शारीरिक दंड दिया जाता था।
- गरीब बच्चे पुरानी किताबों से पढ़ते थे।
- फिर भी स्काउटिंग, परेड जैसी गतिविधियाँ बच्चों को आकर्षित करती थीं।

**प्रश्न 2. पी.टी. मास्टर प्रीतमचंद के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।**

- कठोर और अनुशासनप्रिय।
- ज़रा-सी गलती पर कड़ी सज़ा देने वाले।
- स्वाभिमानी: निलंबन पर भी विचलित नहीं हुए।
- कोमल पक्ष: तोतों से प्रेम और उन्हें बादाम खिलाना।
- परेड और स्काउटिंग में बच्चों को कुशल बनाने वाले।

**प्रश्न 3. हेडमास्टर शर्मा जी का व्यक्तित्व बच्चों के लिए आदर्श क्यों था?**

- वे स्नेही और सौम्य स्वभाव के थे।
- शारीरिक दंड के विरोधी थे।
- गरीब छात्रों की मदद करते थे (पुरानी किताबें दिलवाना)।
- उन्होंने अन्याय करने पर पी.टी. मास्टर को निलंबित किया।
- उनका व्यवहार बच्चों में डर नहीं, सम्मान जगाता था।

## बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

**1. 'सपनों के से दिन' के लेखक हैं**

(क) गुरदयाल सिंह (ख) मिथिलेश्वर (ग) राही मासूम रज़ा (घ) प्रेमचंद

**उत्तर: (क) गुरदयाल सिंह**

**2. गुरदयाल सिंह किस भाषा के लेखक थे?**

(क) हिंदी (ख) पंजाबी (ग) उर्दू (घ) बांग्ला

**उत्तर: (ख) पंजाबी**

**3. पी.टी. मास्टर का नाम था**

(क) मदनमोहन शर्मा (ख) प्रीतमचंद (ग) ओमप्रकाश (घ) हरिहर

**उत्तर: (ख) प्रीतमचंद**

**4. पी.टी. मास्टर को किसने निलंबित किया?**

(क) प्रिंसिपल (ख) हेडमास्टर शर्मा जी (ग) अभिभावकों ने (घ) सरकार

**उत्तर: (ख) हेडमास्टर शर्मा जी**

**5. निलंबन के बाद पी.टी. मास्टर किसे बादाम खिलाते थे?**

(क) बच्चों (ख) तोतों (ग) कबूतरों (घ) बिल्ली

**उत्तर: (ख) तोतों**

**6. गर्मी की छुट्टियों में लेखक कहाँ जाते थे?**

(क) मामा के गाँव (ननिहाल) (ख) शहर (ग) पहाड़ (घ) दादा के घर

**उत्तर: (क) मामा के गाँव (ननिहाल)**

**7. लेखक को किससे पढ़ना पड़ता था?**

(क) नई किताबें (ख) पुरानी किताबें (ग) कंप्यूटर (घ) कॉपियाँ

**उत्तर: (ख) पुरानी किताबें**

**8. बच्चों को कौन-सी गतिविधि अच्छी लगती थी?**

(क) परीक्षा (ख) स्काउटिंग और परेड (ग) गृहकार्य (घ) सज़ा

**उत्तर: (ख) स्काउटिंग और परेड**

**9. गुरदयाल सिंह को ज्ञानपीठ कब मिला?**

(क) 1989 (ख) 1999 (ग) 2009 (घ) 1979

**उत्तर: (ख) 1999**

**10. पाठ किस विधा में है?**

(क) कहानी (ख) संस्मरण (ग) निबंध (घ) एकांकी

**उत्तर: (ख) संस्मरण**

## त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)

- लेखक: गुरदयाल सिंह (1933–2016), जैतो (पंजाब); पंजाबी कथाकार; ज्ञानपीठ 1999।
- विधा: संस्मरण।
- अलग भाषाओं के साथी, खेल में एकता।
- स्कूल = कैद; ननिहाल की छुट्टियाँ; गृहकार्य का डर।
- पी.टी. मास्टर प्रीतमचंद: कठोर, मुर्गा बनवाया, निलंबित, तोतों से प्रेम।
- हेडमास्टर शर्मा जी: स्नेही; पुरानी किताबें दिलवाईं; स्काउटिंग।

## सारांश (Summary)

'सपनों के से दिन' में गुरदयाल सिंह अपने बचपन को याद करते हैं – अलग-अलग भाषा बोलने वाले साथी, नंगे पाँव खेल, चोट पर घर की पिटाई, स्कूल के प्रति अरुचि और ननिहाल में गर्मी की छुट्टियों का आनंद। गृहकार्य टालने और सज़ा के डर की यादें भी इसमें हैं।

स्कूल में कठोर पी.टी. मास्टर प्रीतमचंद बच्चों को कड़ी सज़ा देते थे; एक बार मुर्गा बनवाने पर स्नेही हेडमास्टर शर्मा जी ने उन्हें निलंबित कर दिया। निलंबन के बाद भी वे तोतों से प्रेम करते दिखे। हेडमास्टर लेखक को पुरानी किताबें दिलवाते थे। स्काउटिंग और परेड बच्चों को अच्छी लगती थी।

## परीक्षा टिप्स (Exam Tips)

- पी.टी. मास्टर और हेडमास्टर की तुलना तालिका याद करें।
- पी.टी. मास्टर के निलंबन का कारण और कोमल पक्ष अवश्य लिखें।
- भाषा बाधा नहीं बनती – यह प्रश्न महत्वपूर्ण है।
- अनुशासन पर तब और अब की तुलना का अभ्यास करें।
- अपने स्कूली अनुभवों वाले प्रश्न के लिए उत्तर तैयार रखें।

## अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

**इस पाठ का मुख्य संदेश क्या है?**

बचपन की यादें, बाल-मनोविज्ञान और अनुशासन के लिए प्रेम व समझ का महत्व।

**क्या यह पाठ 2026-27 सिलेबस में है?**

हाँ, यह CBSE हिंदी B की पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग 2 में है।

**क्या इन नोट्स का PDF मिलेगा?**

हाँ, ऊपर दिए लिंक से बिना साइनअप मुफ़्त PDF डाउनलोड करें।

## निष्कर्ष (Conclusion)

सपनों के से दिन बचपन और स्कूल की यादों का सजीव संस्मरण है। तुलना तालिका और प्रमुख प्रसंग दोहराकर इस पाठ में पूरे अंक पाएँ।

और नोट्स (More Notes): Class 10 Hindi Sanchayan Chapter 1: हरिहर काका notes | Class 10 Hindi Sanchayan Chapter 3: टोपी शुक्ला notes | All Class 10 Hindi notes

लेखक परिचय (Author Bio): ये नोट्स Nextoper Editorial Team ने तैयार और जाँचे हैं – CBSE हिंदी शिक्षकों का समूह, जो NCERT पाठ्यपुस्तक और पिछले बोर्ड प्रश्नपत्रों के पैटर्न के आधार पर पाठ-वार नोट्स बनाते हैं।

अद्यतन जानकारी (Freshness Note): ये नोट्स NCERT कक्षा 10 की हिंदी पाठ्यपुस्तक संचयन भाग 2 (Reprint 2026-27, CBSE Hindi B) और 2026-27 सत्र के CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। अंतिम जाँच: 10 नवंबर 2026।